हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, रविवार 8 नवंबर 2026

11 नियमितीकरण की मांग पर अतिथि अध्यापक आज मनाएंगे काली दिवाली



12 फतेहाबाद में एक्यूआई 196 पर पहुंचा नप ने कराया पानी का छिड़काव



सभी जिलावासियों को दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

SENIOR SECONDARY MODEL SCHOOL
Bhirdana (Fatehabad) PH. 01667-264434
E-mail : sms264434@gmail.com
बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ

An English Medium
Permanent Recognised
Upto 10+2
(With Arts/Commerce)

- English Spoken • CCTV monitored Classroom / Campus & Vans.
- Limited Enrollment for Better Care. • Nominal Fee Structure.
- Highly Educated and Well Qualified Staff and Management.
- R.O. Water and Hot Case Facility.
- Transport Facilities Available from Door to Door.


Managing Director
O.P. Bishnoi
M. 94165-43303


Director
Sheetal Bishnoi
M. 94660-52251


Principal
Shweta Bishnoi
M. 89013-64434


Secretary
Sagar Kumar
M. 89011-13744

City Sr. Sec. School,
Bhirdana
Distt. Fatehabad, Haryana
10+1 & 10+2
(Medical, Non Medical)
Wishing you and your family a very
Happy Diwali
May the festival of lights bring happiness, prosperity and good health in your life.
Satish Bishnoi
98135-21829, 99915-21829 | cityschool29@gmail.com

दीपावली पर गुलजार हुए बाजार, वृष लग्न में शाम 6:01 से 7:57 बजे तक करें लक्ष्मी पूजन

फतेहाबाद। दीपावली की पूर्व संध्या पर शनिवार को पूरा दिन खरीददारी के लिए शहरभर के बाजारों में भारी भीड़ उमड़ पड़ी। जवाहर चौक में बैरिकेट लगाने के बावजूद भी पूरा दिन जाम लगा रहा। पार्किंग के पास पुलिस प्रशासन ने किसी भी चार पहिया वाहन को बाजार में नहीं जाने दिया। छोटी दीपावली पर बाजार में ज्वैलर्स, कपड़ा, रेडीमेड, स्वीट्स व इलैक्ट्रोनिक्स की दुकानों पर लोगों ने जमकर खरीददारी की यानि कि छोटी दीवाली पर दुकानदारों ने जमकर चांदी कूटी। दीपावली के दिन मां लक्ष्मी और भगवान गणेश के पूजन का विशेष महत्व है। श्याम मंदिर फतेहाबाद के मुख्य पुजारी पंडित सोनू शर्मा ने बताया कि दीपावली पर लक्ष्मी पूजन के लिए वृष और सिंह लग्न श्रेष्ठ रहेंगे। वृष लग्न शाम 6:01 से 7:57 बजे तक रहेगा, जबकि सिंह लग्न मध्यरात्रि बाद 12:32 से 2:50 बजे तक रहेगा। पंडित सोनू शर्मा ने बताया कि दीपावली पर प्रदोषकाल भी लक्ष्मी पूजन के लिए शुभ माना जाता है।


फतेहाबाद। दीपावली पर बाजारों में खरीददारी करते लोग।

दिन में भी रहेंगे शुभ चौघड़ियां मुहूर्त

उन्होंने बताया कि दीपावली के दिन दिन के चौघड़ियां मुहूर्त में सुबह 8:07 से 9:28 बजे तक चर, 9:28 से 10:48 बजे तक लाभ और 10:48 से दोपहर 12:09 बजे तक अमृत चौघड़िया रहेगा। वहीं दोपहर 1:30 से 2:50 बजे तक शुभ चौघड़िया रहेगा। हालांकि मां लक्ष्मी की विशेष पूजा के लिए रात्रिकाल को अधिक महत्व दिया गया है। धनतेरस के दिन शुरू हुआ फेस्टीवल सीजन का दूसरा दिन बाजार में ढेर सारी खुशियों भरा रहा।

दीपावली
के पावन पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएं
M/S. S.K. TRADERS
#87, Anaj Mandi, Fatehabad

Surender Mittal
98120-40596, 92151-40596
Distt. President, Agroha Vikas Trust
President, S.S. Jain Sabha
Shyam Vihar, Fatehabad
Secretary, Aggarwal Sabha, Fatehabad
M/S. S.K. TRADERS
#87, Anaj Mandi, Fatehabad

Neha Mittal
92554-80604
Ex. Muncipal Counselor, Fatehabad
National Chief Secretary, National Social Development Society India,
State President, Aggarwal Parichay and Help Foundation
Director, Sankalap Savrojgar Kender Trust, Haryana
President, Agroha Vikas Trust

श्री राम सेवा समिति (रजि.)
फतेहाबाद (हरियाणा) द्वारा निर्माणाधीन
श्री राम सेवा समिति
मल्टीस्पेशलिटी चैरिटेबल अस्पताल
खैराती खेड़ा रोड़, फतेहाबाद (हरियाणा)



दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

धर्मपाल बुढलाडिया — प्रधान
देवीदयाल बंसल — उपप्रधान
ज्ञान चन्द मित्तल — सचिव
विरेन्द्र मित्तल — सहसचिव
संजय कुमार गोयल — कोषाध्यक्ष
दयानन्द गर्ग — महाप्रबंधक

Siwatch Maternity & Surgical Hospital, Fatehabad



दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं







Dr. Anuradha Siwatch
(Gynaecologist)

Dr. Virender Singh Siwatch
(Surgeon)

दूरबीन द्वारा पित्ते (Lapchole) और गदूद (TURP) के ऑपरेशन की सुविधा।

Dr. Sandeep Bhadu
(छाती व फेफड़ा रोग विशेषज्ञ / Pulmonologist)
EVERY TUESDAY
12:00 PM - 4:00 PM

हर शनिवार कैंसर स्पेशलिस्ट की सेवाएं उपलब्ध हैं।
NABH मान्यता प्राप्त अस्पताल
आयुष्मान भारत के पैनल पर है
Bhattu Road, Fatehabad (Haryana)

लिक्विड फंड चुनने में रिटर्न नहीं, पोर्टफोलियो का दम देखें

- 36 फंडों के एक साल के रिटर्न में सिर्फ 0.80% अंक का अंतर
- फ्रैंकलिन, यूनियन और टाटा लिक्विड फंड ने बनाई अहम जगह
- एक साल में 6.42 से 6.52 प्रतिशत तक रहा रिटर्न
- तीन फंडों ने रिटर्न के साथ जोखिम प्रबंधन में भी दिखाया संतुलन

विश्लेषण में दिए गए आंकड़े डायरेक्ट ग्रोथ प्लान के हैं। तीनों फंडों के रिटर्न में अंतर बहुत कम है। उदाहरण के लिए, फ्रैंकलिन के 6.49 प्रतिशत और टाटा के 6.43 प्रतिशत रिटर्न के बीच एक लाख रुपये के निवेश पर एक साल में करीब 57 रुपये का अंतर बनता है। इसलिए केवल मामूली अधिक रिटर्न के आधार पर फंड चुनना उचित नहीं है। लिक्विड फंड में भी क्रेडिट जोखिम और ब्याज दर से जुड़ा जोखिम हो सकता है। इनका रिटर्न निश्चित नहीं होता और यह बैंक जमा की तरह गारंटीड नहीं है। निवेश से पहले अपनी जरूरत, निवेश की अवधि और जोखिम क्षमता का आकलन करें तथा जरूरत पड़ने पर वित्तीय सलाहकार से परामर्श लें।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

बचत खाते में पैसा रखने के बजाय बेहतर रिटर्न की तलाश करने वाले निवेशकों के लिए लिक्विड म्यूचुअल फंड एक विकल्प हो सकते हैं। ये फंड आमतौर पर 91 दिनों तक की परिपक्वता वाली ऋण प्रतिभूतियों में निवेश करते हैं। कम अवधि के कारण इनमें ब्याज दरों में बदलाव का असर अपेक्षाकृत जल्दी दिखाई दे सकता है। हालांकि, इन्हें बैंक की सावधि जमा की तरह पूरी तरह जोखिम-मुक्त नहीं माना जाना चाहिए। ऐसे में लिक्विड फंड चुनते समय केवल पिछले रिटर्न के बजाय उसके पोर्टफोलियो, खर्च और जोखिम के पैमानों को समझना जरूरी है। फाइनेंशियल एक्सप्रेस में प्रकाशित इक्विटीमास्टर के विश्लेषण के अनुसार, पिछले एक साल में लिक्विड फंड श्रेणी का औसत मध्य रिटर्न 6.42 प्रतिशत रहा। कम से कम तीन साल का रिकॉर्ड रखने वाले 36 फंडों में सबसे बेहतर रिटर्न 6.52 प्रतिशत और सबसे कम 5.72 प्रतिशत रहा। यानी दोनों के बीच केवल 0.80 प्रतिशत अंक का अंतर था। ऐसे में निवेश का फैसला करते समय फंड के पोर्टफोलियो और जोखिम अनुपात की भूमिका अहम हो जाती है। विश्लेषण में एक साल के रिटर्न के साथ मानक विचलन, शार्प और सॉर्टिनो अनुपात को भी आधार बनाया गया। इसी आधार पर तीन लिक्विड फंड सामने आए।

1. फ्रैंकलिन इंडिया लिक्विड फंड

फ्रैंकलिन इंडिया लिक्विड फंड ने एक साल में 6.49% रिटर्न दिया। 36 फंडों में इसका स्थान तीसरा रहा। शार्प अनुपात 1.99 के साथ यह छठे स्थान पर रहा। छह महीने के प्रदर्शन में इसने 3.21% रिटर्न दिया, जो इन तीनों फंडों में सबसे अधिक था। इसके पोर्टफोलियो का करीब 81% हिस्सा ए1+ रेटिंग वाली प्रतिभूतियों में है। इसके अलावा 3.8 प्रतिशत एएए रेटिंग वाले निवेश और 0.5 प्रतिशत ट्रेजरी बिल में है। करीब 14.7% हिस्सा नकदी और कॉल मनी में रखा गया है। तीनों फंडों में इसका नकदी हिस्सा सबसे अधिक है। इसकी औसत परिपक्वता अवधि 35 दिन और पोर्टफोलियो यील्ड 6.34 प्रतिशत है। डायरेक्ट सुपर इंस्टीट्यूशनल प्लान का आधार व्यय अनुपात 0.12% बताया गया है।



2. यूनियन लिक्विड फंड

यूनियन लिक्विड फंड ने एक साल में 6.44 प्रतिशत रिटर्न दिया और 36 फंडों में 14वां स्थान हासिल किया। हालांकि, इसका शार्प अनुपात 2.02 रहा, जो इन तीनों में सबसे बेहतर है। इसका मानक विचलन 0.22 प्रतिशत रहा, जो तीनों फंडों में सबसे कम है। फंड के पोर्टफोलियो का करीब 91 प्रतिशत हिस्सा ए1+ रेटिंग वाली प्रतिभूतियों में है। इसमें 15.2 प्रतिशत सरकारी प्रतिभूतियां और 5.4 प्रतिशत एएए रेटिंग वाले निवेश शामिल हैं। इसका पोर्टफोलियो यील्ड 6.58 प्रतिशत है, जो इन तीनों में सबसे अधिक है। डायरेक्ट प्लान का खर्च अनुपात 0.06 से 0.07 प्रतिशत के बीच है। इसकी औसत परिपक्वता अवधि करीब 58 दिन है।

3. टाटा लिक्विड फंड

टाटा लिक्विड फंड ने एक साल में 6.43 प्रतिशत रिटर्न दिया। शार्प अनुपात 1.95 रहा। इसका मानक विचलन 0.23 प्रतिशत है। पोर्टफोलियो का करीब 85 प्रतिशत हिस्सा ए1+ रेटिंग वाली प्रतिभूतियों में और 17 प्रतिशत सरकारी प्रतिभूतियों में है। इसकी औसत परिपक्वता अवधि 53 दिन और पोर्टफोलियो यील्ड 6.44 प्रतिशत है। तीनों फंडों में इसका आकार सबसे बड़ा है। यह सितंबर 2004 में शुरू हुआ था। हालांकि, इसका डायरेक्ट प्लान खर्च अनुपात 0.19 प्रतिशत है, जो इन तीनों में सबसे अधिक है।

निवेश से पहले इन बातों का रखें ध्यान

लिक्विड फंड चुनते समय केवल एक साल के रिटर्न को आधार बनाना सही नहीं है। फंड की प्रतिभूतियों की रेटिंग, पोर्टफोलियो में सरकारी निवेश की हिस्सेदारी, औसत परिपक्वता अवधि और खर्च अनुपात को भी देखना चाहिए। शार्प और सॉर्टिनो अनुपात से जोखिम के मुकाबले मिले रिटर्न को समझने में मदद मिलती है। विश्लेषण में दिए गए आंकड़े डायरेक्ट ग्रोथ प्लान के हैं। तीनों फंडों के रिटर्न में अंतर बहुत कम है। उदाहरण के लिए, फ्रैंकलिन के 6.49 प्रतिशत और टाटा के 6.43 प्रतिशत रिटर्न के बीच एक लाख रुपये के निवेश पर एक साल में करीब 57 रुपये का अंतर बनता है। इसलिए केवल मामूली अधिक रिटर्न के आधार पर फंड चुनना उचित नहीं है।

कम कमाई में भी शुरू करें निवेश, वेतन बढ़ने पर बचत की रकम बढ़ाएं

युवा कैसे बचाएं पैसे, ये सात टिप्स निभाएंगे अहम भूमिका

जानकारी
बिजनेस डेस्क

करियर की शुरुआत में कम वेतन के कारण कई युवा बचत और निवेश को टालते रहते हैं। उन्हें लगता है कि अच्छी कमाई शुरू होने के बाद ही पैसा बचाया जा सकता है। लेकिन आर्थिक मजबूती के लिए बड़ी आय से ज्यादा जरूरी है बचत की आदत और समय पर निवेश की शुरुआत। एक 26 वर्षीय युवा की वित्तीय यात्रा बताती है कि कैसे 18 हजार रुपये महीने की कमाई से शुरुआत करके तीन साल में सालाना 50 लाख रुपये के कंपनी पैकेज तक पहुंचा जा सकता है और निवेश के जरिए अच्छी-खासी संपत्ति बनाई जा सकती है। वर्ष 2023 में इस युवा का मासिक वेतन करीब 18 हजार रुपये था। उन्होंने शुरुआत में ही पांच हजार रुपये की मासिक एसआईपी शुरू कर दी। तीन साल में उनका सालाना पैकेज बढ़कर 50 लाख रुपये हो गया और वित्तीय संपत्ति करीब 65 से 75 लाख रुपये तक पहुंच गई। इस दौरान मई 2026 में नौकरी भी चली गई, लेकिन आपातकालीन बचत ने आर्थिक मुश्किलों से निपटने में मदद की। इस अनुभव से युवा सात अहम सबक सीख सकते हैं।

आपातकालीन कोष बनाएं

अच्छी नौकरी और ऊंचा वेतन भी नौकरी जाने के जोखिम को खत्म नहीं करते। इसलिए कम से कम छह महीने के जरूरी खर्च के बराबर रकम अलग रखें। इसे बचत खाते, सावधि जमा या ऐसे सुरक्षित विकल्पों में रखें, जहां जरूरत पड़ने पर पैसा आसानी से मिल सके। इस रकम को शेयर बाजार जैसे जोखिम वाले निवेश में न लगाएं। संबंधित युवा के पास नौकरी जाने के समय छह लाख रुपये का आपातकालीन कोष था, जिसे बाद में बढ़ाकर सात से आठ लाख रुपये कर लिया गया।

5. सीटीसी और हाथ में आने वाले वेतन का अंतर समझें

कंपनी का सालाना पैकेज यानी सीटीसी बैंक खाते में आने वाली रकम नहीं होता। इसमें मूल वेतन के अलावा बोनस, भविष्य निधि, कंपनी के शेयर और दूसरी सुविधाएं शामिल हो सकती हैं। इसलिए नौकरी बदलते समय केवल बड़े पैकेज से प्रभावित न हों। कर और दूसरी कटौतियों के बाद हर महीने मिलने वाली वास्तविक रकम का हिसाब लगाएं। उसी के आधार पर खर्च, बचत और निवेश की योजना बनाएं।



वेतन बढ़ते ही जीवनशैली महंगी न करें

नौकरी में वेतन बढ़ने के साथ महंगे फोन, वाहन, कपड़े और बाहर खाने पर खर्च बढ़ाना आसान है। इसे जीवनशैली का विस्तार कहा जाता है। यदि हर वेतन वृद्धि के साथ खर्च भी उतनी ही तेजी से बढ़ेगा तो बचत सीमित रह जाएगी। वेतन बढ़ने पर पहले निवेश की रकम बढ़ाएं और फिर जरूरत के अनुसार खर्च तय करें।

पूरा पैसा एक ही निवेश विकल्प में न लगाएं

संपत्ति बनाने के लिए निवेश में विविधता जरूरी है। म्यूचुअल फंड, शेयर, सोना और सुरक्षित बचत विकल्पों में अपनी जोखिम क्षमता और लक्ष्य के अनुसार पैसा बांट सकते हैं। किसी एक शेयर या तेजी से मुनाफा देने वाले विकल्प के पीछे पूरी बचत न लगाएं। नियमित निवेश और लंबी अवधि का नजरिया अपनाएं। बाजार में उतार-चढ़ाव के कारण निवेश का मूल्य घट-बढ़ सकता है, इसलिए रिटर्न की गारंटी मानकर न चलें। आर्थिक योजना केवल अपनी जरूरतों और शौक तक सीमित नहीं होनी चाहिए।

कम कमाई हो तो भी बचत

निवेश शुरू करने के लिए बड़ी रकम का इंतजार न करें। नौकरी की शुरुआत में पांच सौ या एक हजार रुपये की बचत भी अच्छी आदत बन सकती है। नियमित निवेश से समय के साथ रकम बढ़ाने का अवसर मिलता है। शुरुआत छोटी हो सकती है, लेकिन उसे लगातार जारी रखना जरूरी है।

आय बढ़ाने पर भी दें ध्यान

बचत के लिए अनावश्यक खर्च कम करना जरूरी है, लेकिन केवल खर्च घटाकर बड़ी संपत्ति बनाना मुश्किल है। युवाओं को अपने कौशल और कार्यक्षमता बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए। नए प्रशिक्षण, बेहतर नौकरी के अवसर और वेतन वृद्धि के लिए बातचीत आय बढ़ाने में मदद कर सकती है। कमाई बढ़ने पर बचत और निवेश की रकम भी बढ़ाएं।

दिवाली पर गोल्ड या सिल्वर ईटीएफ में कहां लगाएं पैसा?

● सोना देता है बाजार की उठापटक में सहारा ● चांदी में तेजी के साथ जोखिम भी ज्यादा ● पोर्टफोलियो में 10 से 15 प्रतिशत तक रखें कीमती धातुओं की हिस्सेदारी

तैयारी
बिजनेस डेस्क

दिवाली पर सोना खरीदना शुभ माना जाता है। इसी वजह से कई निवेशक त्योहार के मौके पर गोल्ड और सिल्वर में पैसा लगाने की योजना बनाते हैं। हालांकि, अब भौतिक सोने-चांदी के साथ एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) भी निवेश का एक विकल्प बन गए हैं। इनके जरिये निवेशक बिना धातु को खरीदे और संभालकर रखे, उसकी कीमतों में होने वाले बदलाव का लाभ ले सकते हैं। लेकिन सवाल यह है कि इस दिवाली गोल्ड ईटीएफ बेहतर रहेगा या सिल्वर ईटीएफ? इसका जवाब केवल पिछले रिटर्न में नहीं, बल्कि निवेश के उद्देश्य और जोखिम उठाने की क्षमता में छिपा है। सोना और चांदी दोनों कीमती धातुएं हैं, लेकिन इनके दाम तय होने के कारक अलग-अलग हैं। सोना आर्थिक अनिश्चितता और महंगाई के दौर में निवेशकों के लिए सुरक्षा का माध्यम माना जाता है। वहीं, चांदी का इस्तेमाल औद्योगिक गतिविधियों में भी होता है। इसलिए इसकी कीमत पर निवेश की मांग के साथ उद्योगों की जरूरत का भी असर पड़ता है। इसमें तेजी के साथ गिरावट की आशंका भी अधिक रहती है। निवेश से पहले इन पांच बातों को समझना जरूरी है।

सोने और चांदी की भूमिका को समझें

गोल्ड ईटीएफ और सिल्वर ईटीएफ को एक जैसा निवेश विकल्प नहीं मानना चाहिए। सोना आमतौर पर आर्थिक अनिश्चितता, महंगाई और बाजार में अस्थिरता के दौरान पोर्टफोलियो को संतुलन देने में मदद करता है। इसके मुकाबले चांदी की कीमत औद्योगिक मांग से भी प्रभावित होती है। इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में इसकी जरूरत बढ़ने या घटने का असर कीमतों पर पड़ सकता है। पिछले एक साल में चांदी ने सोने से बेहतर प्रदर्शन किया, लेकिन बीते छह महीनों में दोनों की कीमतों पर दबाव रहा। इसलिए केवल हालिया रिटर्न देखकर निवेश का फैसला न करें।

पहली बार निवेश कर रहे हैं तो सोने से करें शुरुआत

यदि आप पहली बार कीमती धातुओं में निवेश कर रहे हैं और ज्यादा जोखिम नहीं लेना चाहते तो गोल्ड ईटीएफ से शुरुआत पर विचार कर सकते हैं। इसकी तुलना में सिल्वर ईटीएफ में कीमतों का उतार-चढ़ाव अधिक हो सकता है। जिन निवेशकों के पास पहले से सोना है और निवेश की अवधि लंबी है, वे अपने पोर्टफोलियो में सीमित मात्रा में चांदी शामिल करने पर विचार कर सकते हैं। ध्यान रखें कि चांदी का भाव सोने से कम होने का अर्थ यह नहीं है कि उसमें तेजी की संभावना निश्चित है।



पोर्टफोलियो में कितनी रखें हिस्सेदारी?

निवेश विशेषज्ञों के अनुसार, पोर्टफोलियो में कीमती धातुओं की हिस्सेदारी सीमित रखनी चाहिए। इन्वेस्को म्यूचुअल फंड के पैसिव इन्वेस्टमेंट प्रमुख अभिषेक बहिनिपति के अनुसार, एक सामान्य रणनीति के तहत पोर्टफोलियो का करीब 10 प्रतिशत हिस्सा सोने में रखा जा सकता है। यदि निवेशक सोने और चांदी दोनों में पैसा लगाना चाहते हैं तो कुल 15 प्रतिशत हिस्सेदारी में 10 प्रतिशत सोना और पांच प्रतिशत चांदी रख सकते हैं। हालांकि, यह कोई अनिवार्य नियम नहीं है। कम जोखिम लेने वाले निवेशक चांदी का हिस्सा और कम रख सकते हैं।

किस्तों में लगाएं पैसा

सोने और चांदी की कीमतों में तेजी से बदलाव हो सकता है। ऐसे में एक साथ बड़ी रकम निवेश करने से बचना बेहतर हो सकता है। निवेशक हर महीने थोड़ी-थोड़ी रकम लगाकर खरीद की औसत लागत को संतुलित करने का प्रयास कर सकते हैं। यदि एकमुश्त पैसा उपलब्ध है तो उसे तीन से छह महीने में अलग-अलग हिस्सों में निवेश किया जा सकता है। इससे किसी एक दिन की ऊंची कीमत पर पूरी रकम लगाने का जोखिम कम हो सकता है। हालांकि, किस्तों में निवेश करने से नुकसान की आशंका पूरी तरह समाप्त नहीं होती।

पोर्टफोलियो का संतुलन जरूर जांचें

सोने या चांदी की कीमतों में तेजी आने से पोर्टफोलियो में इनकी हिस्सेदारी तय सीमा से अधिक हो सकती है। ऐसी स्थिति में कुछ निवेश बेचकर दूसरी संपत्तियों में पैसा लगाया जा सकता है। इसे पोर्टफोलियो का पुनर्संतुलन कहा जाता है। वहीं, बाजार में थोड़ी गिरावट आने पर घबराकर निवेश बेचने से बचना चाहिए। निवेश बनाए रखने या मुनाफा निकालने का फैसला अपने वित्तीय लक्ष्य, निवेश अवधि, जोखिम उठाने की क्षमता और कर देनदारी को ध्यान में रखकर करें। गोल्ड या सिल्वर ईटीएफ चुनते समय केवल रिटर्न पर ध्यान देना पर्याप्त नहीं है। संबंधित फंड का खर्च अनुपात, कारोबार की मात्रा और खरीद-बिक्री के बीच कीमत का अंतर भी देखना चाहिए। ईटीएफ में निवेश के लिए डीमैट और ट्रेडिंग खाते की जरूरत होती है। यह भी समझें कि ईटीएफ का मूल्य संबंधित धातु की कीमत के साथ घट-बढ़ सकता है। इसलिए इसमें निश्चित रिटर्न की उम्मीद नहीं करनी चाहिए।

अलर्ट

10 हजार की मासिक एसआईपी में 10 साल बाद 1.45 लाख का अंतर संभव

डायरेक्ट प्लान की ओर बढ़ रहा निवेशकों का रुझान

एम्फी-क्रिसिल फैक्टबुक 2026 के आंकड़ों के अनुसार, डायरेक्ट प्लान में खुदरा निवेशकों की हिस्सेदारी मार्च 2021 में 21.4 प्रतिशत थी, जो मार्च 2026 में बढ़कर 36.7 प्रतिशत हो गई। डिजिटल निवेश मंचों की उपलब्धता और वित्तीय जागरूकता बढ़ने से युवा निवेशक खुद फंड चुनने में अधिक रुचि दिखा रहे हैं। 18 से 34 वर्ष आयु वर्ग में डायरेक्ट प्लान का रुझान अधिक है। इसके विपरीत, 58 वर्ष से अधिक आयु के निवेशकों में रेगुलर प्लान की हिस्सेदारी मार्च 2021 के 18.5 प्रतिशत से बढ़कर मार्च 2026 में 22.4 प्रतिशत हो गई।

निवेश में अनुशासन और सही फंड का चयन भी जरूरी

कम खर्च में निवेश, लंबी अवधि में बड़ा फायदा

म्यूचुअल फंड वेबसाइटों पर एक नवंबर से डायरेक्ट प्लान डिफॉल्ट विकल्प

समझदारी
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों के लिए खर्च घटाने और लंबी अवधि में बेहतर कोष बनाने का एक नया अवसर सामने आया है। बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के फैसले के अनुसार, एक नवंबर से म्यूचुअल फंड कंपनियों की वेबसाइटों पर डायरेक्ट प्लान डिफॉल्ट विकल्प के रूप में उपलब्ध होंगे। इसका उद्देश्य निवेशकों को कम खर्च वाले विकल्प की ओर प्रोत्साहित करना है। हालांकि, जिन निवेशकों को फंड चुनने, पोर्टफोलियो की निगरानी और बाजार के उतार-चढ़ाव के दौरान मार्गदर्शन की जरूरत है, वे रेगुलर प्लान भी चुन सकेंगे। इस बदलाव से निवेशकों के सामने अब यह समझने का अवसर है कि उन्हें केवल कम खर्च वाला विकल्प चुनना है या विशेषज्ञ की सलाह के साथ निवेश को आगे बढ़ाना है।

क्या है डायरेक्ट व रेगुलर प्लान का अंतर

म्यूचुअल फंड में निवेश के लिए मुख्य रूप से दो विकल्प होते हैं। डायरेक्ट प्लान में निवेशक सीधे म्यूचुअल फंड कंपनी के माध्यम से निवेश करता है। इसमें वितरक या एजेंट का कमीशन शामिल नहीं होता, इसलिए इसका व्यय अनुपात यानी एक्सपेंस रेशियो कम रहता है। दूसरी ओर, रेगुलर प्लान में निवेशक वितरक या एजेंट के माध्यम से निवेश करता है। इसके बदले फंड के खर्च में वितरक का कमीशन भी शामिल रहता है। दोनों प्लान में निवेश एक ही फंड और पोर्टफोलियो में होता है, लेकिन खर्च अलग होने के कारण लंबी अवधि में मिलने वाले रिटर्न में अंतर आ सकता है। डायरेक्ट प्लान की शुरुआत वर्ष 2013 में हुई थी।

फंड के अनुसार अलग है खर्च का अंतर

डायरेक्ट और रेगुलर प्लान के बीच एक्सपेंस रेशियो का अंतर फंड की श्रेणी के अनुसार बदलता है। लार्ज कैप फंड में यह अंतर करीब 0.7 से 0.8 प्रतिशत, मिड कैप फंड में 1 से 1.3 प्रतिशत और फ्लेक्सी कैप फंड में 0.8 से 1 प्रतिशत तक हो सकता है। लिक्विड फंड में यह अंतर अपेक्षाकृत कम, करीब 0.15 से 0.3 प्रतिशत रहता है। कम खर्च का फायदा शुरुआत में भले ही छोटा दिखाई दे, लेकिन लंबी अवधि में चक्रवृद्धि की वजह से इसका प्रभाव बड़ा हो सकता है। निवेशक को यह समझना चाहिए कि खर्च में कमी का अर्थ निश्चित रूप से अधिक रिटर्न नहीं है, क्योंकि फंड का प्रदर्शन बाजार की परिस्थितियों पर भी निर्भर करता है।



10 हजार की एसआईपी में 1.45 लाख रुपये का अंतर

डायरेक्ट और रेगुलर प्लान के बीच खर्च का प्रभाव एक उदाहरण से समझा जा सकता है। यदि कोई निवेशक मिड कैप फंड में हर महीने 10 हजार रुपये की एसआईपी करता है और 14 प्रतिशत सालाना अनुमानित रिटर्न मानकर 10 साल तक निवेश बनाए रखता है तो डायरेक्ट प्लान में करीब 24.66 लाख रुपये का कोष बन सकता है। वहीं, रेगुलर प्लान में यह राशि करीब 23.21 लाख रुपये रह सकती है। इस तरह दोनों विकल्पों के बीच लगभग 1.45 लाख रुपये का अंतर हो सकता है। यदि निवेश की अवधि 20 साल कर दी जाए तो खर्च में अंतर और उस पर मिलने वाले संभावित चक्रवृद्धि लाभ का प्रभाव भी बढ़ जाता है। हालांकि, यह केवल अनुमानित गणना है। वास्तविक रिटर्न बाजार के प्रदर्शन, फंड के खर्च और निवेश की अवधि के अनुसार अलग हो सकता है।

रेगुलर प्लान में मिलता है मार्गदर्शन का लाभ

कम एक्सपेंस रेशियो डायरेक्ट प्लान का बड़ा फायदा है, लेकिन निवेश में केवल लागत ही महत्वपूर्ण नहीं होती। बाजार में गिरावट, आर्थिक अनिश्चितता और फंड के प्रदर्शन में उतार-चढ़ाव के दौरान निवेशक कई बार घबराकर पैसा निकाल लेते हैं। ऐसे समय में वितरक निवेशकों को धैर्य बनाए रखने, पोर्टफोलियो की समीक्षा करने और जरूरत के अनुसार निवेश में बदलाव करने में मदद कर सकते हैं। आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2026 में पांच साल से अधिक समय तक निवेश बनाए रखने वाले रेगुलर प्लान के निवेशकों की हिस्सेदारी 23.5 प्रतिशत थी, जबकि डायरेक्ट प्लान में यह 14 प्रतिशत रही। इससे निवेश के दौरान मार्गदर्शन और अनुशासन की अहमियत सामने आती है।

सलाह लेकर भी चुन सकते हैं डायरेक्ट प्लान

निवेशकों के पास एक तीसरा रास्ता भी है। वे सेबी में पंजीकृत निवेश सलाहकार से शुल्क देकर वित्तीय सलाह ले सकते हैं और इसके बाद डायरेक्ट प्लान में निवेश कर सकते हैं। इसमें सलाह का शुल्क फंड के खर्च से अलग रहता है। इस व्यवस्था में निवेशक को फंड चयन और वित्तीय योजना के लिए विशेषज्ञ की मदद मिल सकती है, जबकि वितरक के कमीशन का अतिरिक्त खर्च नहीं देना पड़ता। हालांकि, सलाहकार का चयन करते समय उसकी योग्यता, पंजीकरण और शुल्क व्यवस्था की जांच करना जरूरी है।

निवेश से पहले इन बातों का रखें ध्यान

- केवल कम एक्सपेंस रेशियो देखकर किसी फंड में निवेश न करें। उसके पिछले प्रदर्शन, निवेश रणनीति और जोखिम का आकलन करें।
- अपनी आय, वित्तीय लक्ष्य और जोखिम उठाने की क्षमता के अनुसार फंड की श्रेणी चुनें।
- बाजार में गिरावट आने पर जल्दबाजी में एसआईपी बंद करने या निवेश निकालने से बचें।
- समय-समय पर पोर्टफोलियो की समीक्षा करें और जरूरत के अनुसार संतुलन बनाए रखें।
- यदि फंड और बाजार की पर्याप्त समझ नहीं है तो विशेषज्ञ की सलाह लेने में संकोच न करें।

अनुशासन भी जरूरी

डायरेक्ट प्लान निवेश की लागत घटाने का अवसर जरूर देता है, लेकिन केवल इसी आधार पर निवेश का फैसला करना उचित नहीं है। सही फंड का चयन, निवेश की अवधि, जोखिम की समझ और नियमित निवेश बनाए रखना भी उतना ही जरूरी है। निवेशक को अपनी जानकारी और जरूरत के अनुसार डायरेक्ट या रेगुलर प्लान चुनना चाहिए। लंबी अवधि में बेहतर कोष बनाने का रास्ता केवल कम खर्च से नहीं, बल्कि सही रणनीति और अनुशासित निवेश से तैयार होता है।

15 को कुरुक्षेत्र में सीएम कैंप कार्यालय का घेराव

नियमितीकरण की मांग पर अतिथि अध्यापक आज मनाएंगे काली दिवाली



रतिया। पत्रकारों से बातचीत करते कर्मचारी नेता। फोटो : हरिभूमि



सिरसा। रोष व्यक्त करते कर्मचारी फोटो : हरिभूमि

कंबोज धर्मशाला में प्रेसवार्ता के दौरान किया ऐलान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रतिया

हरियाणा में नियमितीकरण की मांग को लेकर संघर्षरत अतिथि अध्यापक इस बार 8 नवंबर को काली दिवाली मनाकर सरकार के प्रति विरोध दर्ज कराएंगे। वहीं, आंदोलन के 147वें दिन 15 नवंबर को कुरुक्षेत्र में राज्य स्तरीय प्रदर्शन कर लघु सचिवालय के समक्ष 'मॉक पार्लियामेंट' का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद प्रदर्शनकारी शिक्षा विभाग के नकारात्मक स्पीकिंग ऑर्डर की प्रतियां जलाते हुए मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय का घेराव करेंगे। यह बात रतिया स्थित कंबोज धर्मशाला में राजकीय अनुबंधित अध्यापक संघ और सर्व कर्मचारी संघ की संयुक्त प्रेसवार्ता में कर्मचारी नेता सीएन भारती ने कही।

संघ के नेता सी.एन. भारती ने कहा कि प्रदेश के अतिथि अध्यापक पिछले 21 वर्षों से सरकारी स्कूलों में पूरी निष्ठा से शिक्षण कार्य कर रहे हैं, लेकिन सरकार उन्हें नियमित करने की बजाय लगातार अस्थायी ढांचे में उलझाए हुए है। उन्होंने कहा कि आज पूरे प्रदेश में काली दिवाली मनाई जाएगी और 15 नवंबर को मॉक पार्लियामेंट के जरिए सरकार की जवाबदेही, नियमितीकरण के कानूनी पहलुओं और प्रशासनिक हठधर्मिता पर तीखे सवाल उठाए जाएंगे। राजकीय अनुबंधित अध्यापक संघ की महिला विंग की अध्यक्ष पूनम कुमारी ने बताया कि 15 नवंबर के घेराव और प्रदर्शन में भी प्रदेशभर से बड़ी संख्या में महिला शिक्षक कुरुक्षेत्र पहुंचकर अपनी आवाज बुलंद करेंगी। इस अवसर पर एसकेएस के फतेहाबाद जिला सचिव देवीलाल, हरजिंदर कंबोज, सुरजीत सचदेवा, भूदेव, प्रदेश कंबोज, रीना रानी, श्वेता, राजेंद्र बाटू, भूप सिंह, मलकीत सिंह, रघुवीर सिंह, पुष्पा कुमारी और किरण पाल कौर सहित कई प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पार्ट-टाइम चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों में रोष

सिरसा। शिक्षा विभाग में कार्यरत पार्ट-टाइम चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को लंबे समय से वेतन नहीं मिलने और दीपावली जैसे बड़े त्योहार पर भी भुगतान नहीं होने से कर्मचारी संगठनों में रोष है। सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा और हरियाणा राज्य चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी यूनियन ने इस मामले में उपायुक्त को मांगपत्र सौंपकर तत्काल वेतन जारी करवाने की मांग की है। सर्व कर्मचारी संघ के जिला प्रधान मदन लाल खोथ, ब्लॉक प्रधान ललित सोलंकी, ओम प्रकाश, राजेश खिचड़ तथा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी यूनियन के जिला प्रधान सुभाष चंद्र भट्ठी और सचिव सुरेश लूणा ने कहा कि कर्मचारी लगातार अपनी सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन उन्हें मेहनताना समय पर नहीं मिल रहा। उन्होंने कहा कि दीपावली खुशियों और परिवार के साथ त्योहार मनाने का अवसर है, लेकिन वेतन नहीं मिलने के कारण कर्मचारियों को आर्थिक तंगी और मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ा। संगठनों ने उपायुक्त से मांग की कि शिक्षा विभाग के अधिकारियों को कर्मचारियों का बकाया वेतन तत्काल जारी करने और भविष्य में समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए जाएं।

रंजिश में हुई दो हत्या के मामलों में पांच आरोपी काबू



डबवाली। घटना की जानकारी देते डीएसपी ललित कुमार। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ डबवाली

पुलिस ने हत्या के दो अलग-अलग मामलों में बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें पारिवारिक जमीन विवाद में युवक लवप्रीत सिंह की हत्या और उसके पिता पर हमले के मामले में तीन आरोपी शामिल हैं, जबकि गांव तिलोकेवाला में हरि सिंह की हत्या और उसके भाई गुरपाल सिंह को घायल करने के मामले में एक माह से फरार चल रहे दो आरोपियों को भी पुलिस ने दबोच लिया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर दो अवैध 32 बोर पिस्तौल, एक जिंदा कारतूस और लाइसेंसी 12 बोर दोनाली बंदूक सहित कई अन्य सामान बरामद किया है। डीएसपी कालांवाली ललित कुमार ने थाना कालांवाली में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि पारिवारिक जमीन विवाद को लेकर लवप्रीत सिंह की हत्या और उसके पिता पर हमले की सूचना मिलते ही पुलिस टीमों ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी थी। शिकायतकर्ता नाजम सिंह के बयान पर मामला दर्ज कर थाना कालांवाली और सीआईए स्टाफ की विशेष टीमें गठित की गईं। संयुक्त कार्रवाई करते हुए पुलिस ने गुरलाल सिंह, गुरचरण सिंह और तरसेम सिंह को गिरफ्तार कर लिया। शिकायतकर्ता की निशानदेही पर घटनास्थल से क्षतिग्रस्त गाड़ी, एक कुल्हाड़ी, लाठी और अन्य सामान भी बरामद किया गया है। पुलिस आरोपियों को अदालत में पेश कर रिमांड हासिल करेगी, ताकि वारदात में शामिल अन्य लोगों और हथियारों के संबंध में पूछताछ की जा सके।

पंचायत चुनाव के दौरान रंजिश

डीएसपी ने बताया कि 28 सितंबर 2026 को गांव तिलोकेवाला में ढाढू रोड पर धर्मपुरा निवासी हरि सिंह की हत्या कर दी गई थी, जबकि उसके भाई गुरपाल सिंह को हमला कर घायल कर दिया गया था। पुलिस जांच में सामने आया कि वारदात के पीछे पिछले पंचायत चुनाव के दौरान पैदा हुई रंजिश थी। घटना के बाद से फरार चल रहे कुलदीप सिंह और प्रगट सिंह को सीआईए कालांवाली और थाना कालांवाली की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस रिमांड के दौरान आरोपियों की निशानदेही पर दो अवैध 32 बोर पिस्तौल, एक जिंदा कारतूस और एक लाइसेंसी 12 बोर दोनाली बंदूक बरामद की गई। इसके अलावा शिकायतकर्ता की क्षतिग्रस्त गाड़ी, आरोपियों की दो गाड़ियां, एक जिंदा कारतूस और गोली का एक सिक्का भी बरामद किया जा चुका है। डीएसपी ललित कुमार ने कहा कि दोनों मामलों में पुलिस गहनता से जांच कर रही है। वारदात में शामिल अन्य वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। जांच में किसी अन्य व्यक्ति की संलिप्तता सामने आने पर उसके खिलाफ भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

भजनों के माध्यम से सतगुरु की महिमा का गुणगान किया

एमएसजी अवतार माह व दीपोत्सव पर जरूरतमंद महिलाओं को बांटा राशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

डेरा सच्चा सौदा के संस्थापक शाह मस्ताना जी महाराज के अवतार माह और दीपोत्सव के उपलक्ष्य में कल्याण नगर ब्लॉक की महिला श्रद्धालुओं ने नेजियाखेड़ा स्थित सतलोकपुर धाम में विशेष ब्लॉक स्तरीय नामचर्चा आयोजित की। इस दौरान पांच जरूरतमंद महिलाओं को एक-एक महीने का राशन वितरित कर दीपावली की खुशियां साझा की गईं। नामचर्चा की शुरुआत ब्लॉक प्रेमी सेवक अंकिता ने इलाही नारा लगाकर की। इसके बाद कविराज बहनों ने भजनों के माध्यम से सतगुरु की महिमा का गुणगान किया।

इस अवसर पर ब्लॉक के फूड बैंक से पांच जरूरतमंद महिलाओं को राशन दिया गया। प्रीत नगर निवासी सीमा पत्नी धर्मचंद ने इस सेवा कार्य में आर्थिक सहयोग किया। वहीं रहमत कॉलोनी निवासी पिंकी ने अपने बेटे के जन्मदिन की खुशी में सेवा में योगदान दिया। ब्लॉक प्रेमी सेवक लीना इन्सां और अंकिता ने साध-संगत से त्योहारों की खुशियां जरूरतमंद लोगों के साथ बांटने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि दूसरों के चेहरों पर मुस्कान लाना ही त्योहारों की खुशी को सार्थक बनाता है। कार्यक्रम के अंत में सुमिरन, अरदास और प्रसाद वितरण के साथ नामचर्चा का समापन हुआ।



सिरसा। नामचर्चा करते सत्संगी। फोटो : हरिभूमि

आंध्र प्रदेश में निकाय चुनावों में कांग्रेस का नहीं खुला खाता : केहरवाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं जिला प्रवक्ता डॉ. गंगासागर केहरवाला ने आंध्र प्रदेश के स्थानीय निकाय चुनावों में कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिलने को पार्टी के लिए बड़ा राजनीतिक झटका बताया है। उन्होंने कहा कि 3,942 वार्डों में कांग्रेस का खाता तक नहीं खुलना जनता के बदलते राजनीतिक रुझान को दर्शाता है। जारी बयान में केहरवाला ने कहा कि घोषित 3,507 वार्डों में एनडीए गठबंधन ने 2,933 सीटों पर जीत दर्ज की है। इनमें टीडीपी को 2,356, जनसेना को 440 और भाजपा को 137 सीटें मिली हैं। उन्होंने इसे एनडीए की नीतियों और नेतृत्व के प्रति जनता के विश्वास का प्रमाण बताया। केहरवाला ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस चुनावी व्यवस्था और ईवीएम पर सवाल उठाती रही है, लेकिन बैलेट पेपर से हुए चुनाव में भी पार्टी को सफलता नहीं मिली। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को चुनाव प्रणाली पर आरोप लगाने के बजाय अपनी राजनीतिक स्थिति का आत्ममंथन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता केवल बयानबाजी नहीं, बल्कि विकास, सुशासन और धरातल पर काम करने वाली राजनीति को प्राथमिकता देती है।

न्यूज डायरी

ग्रामीण विकास के लिए 1,158 करोड़ जारी करने पर जताया मुख्यमंत्री का आभार

सिरसा। भाजपा जिलाध्यक्ष एडवोकेट यतीन्द्र सिंह ने हरियाणा सरकार की ओर से ग्रामीण विकास कार्यों के लिए 1,158 करोड़ रुपये जारी करने और ग्रामीण चौकीदारों के मानदेय एवं भत्तों में बढ़ोतरी के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने इन निर्णयों के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार जताते हुए जिलावासियों को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। यतीन्द्र सिंह ने कहा कि सरकार ने धनतेरस पर प्रदेश की 6,230 पंचायतों, 22 जिला परिषदों और 143 ब्लॉक समितियों के लिए 1,158 करोड़ रुपये की राशि जारी की है। इससे गांवों में सड़कों, स्वच्छता, बुनियादी ढांचे और अन्य विकास कार्यों को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि सरकार ने ग्रामीण चौकीदारों का मासिक मानदेय 11,000 रुपये से बढ़ाकर 15,221 रुपये कर दिया है। इसके अलावा वार्षिक वर्दी भत्ता 4,000 से बढ़ाकर 5,000 रुपये, लाठी-बैटरी-सीटी एवं छाता भत्ता 1,000 से बढ़ाकर 1,500 रुपये और साइकिल भत्ता 3,500 से बढ़ाकर 5,000 रुपये किया गया है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण चौकीदारों को ईएसआई का लाभ देने और हरियाणा श्रम कल्याण कोष के दायरे में शामिल करने का निर्णय भी सराहनीय है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था में सहयोग देने वाले कर्मचारियों की सामाजिक सुरक्षा मजबूत होगी। भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि ग्रामीण विकास और कर्मचारियों के कल्याण से जुड़े ये फैसले प्रदेश के विकास को नई गति देंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री और प्रदेश सरकार का आभार व्यक्त किया।

नशे के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई, तस्करों की 31.50 लाख रुपये की दो गाड़ियां फ्रीज

सिरसा। नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई तेज करते हुए सिरसा पुलिस ने दो पेशेवर तस्करों की करीब 31 लाख 50 हजार रुपये कीमत की दो स्कॉर्पियो गाड़ियां फ्रीज करवा दी हैं। पुलिस की इस कार्रवाई का उद्देश्य नशे के अवैध कारोबार से अर्जित संपत्ति पर शिकंजा कसना और तस्करों की आर्थिक ताकत कमजोर करना है। एसपी दीपक सहारन ने बताया कि कार्रवाई में गांव दड़बा कलां निवासी जयवीर उर्फ जयवीर की स्कॉर्पियो और रानियां चुंगी निवासी अर्पण पुत्र रोहतास की स्कॉर्पियो शामिल हैं। अर्पण के खिलाफ वर्ष 2023 से अब तक एनडीपीएस एक्ट के 10 मामले दर्ज हैं, जबकि जयवीर के खिलाफ वर्ष 2005 से अब तक पांच मामले दर्ज हुए हैं। जयवीर को दो मामलों में क्रमशः 10 और सात साल की सजा भी हो चुकी है। उसके तीन मामले अदालत में विचाराधीन हैं। पुलिस के अनुसार अर्पण ने स्कॉर्पियो अपने पिता के नाम पर करवा रखी थी। जांच में संपत्ति से संबंधित रिकॉर्ड जुटाकर सक्षम प्राधिकारी एवं राजस्व विभाग, दिल्ली को भेजा गया था। इसके बाद एनडीपीएस अधिनियम 1985 की धारा 68एफ(2) के तहत दोनों गाड़ियों को फ्रीज करने के आदेश जारी हुए। अब इन वाहनों को न तो बेचा जा सकेगा और न ही किसी अन्य व्यक्ति के नाम हस्तांतरित किया जा सकेगा। एसपी ने कहा कि पुलिस का लक्ष्य केवल नशा तस्करों को गिरफ्तार करना नहीं, बल्कि नशे की काली कमाई से बनाई गई संपत्ति को जब्त और फ्रीज कर उनके पूरे नेटवर्क की आर्थिक जड़ें कमजोर करना है। सभी थाना प्रभारियों को तस्करों की अवैध संपत्तियों का रिकॉर्ड जुटाने के निर्देश दिए गए हैं।

घग्घर पुल के नजदीक संगरूर जिले का युवक हेरोइन सहित गिरफ्तार

फतेहाबाद। फतेहाबाद पुलिस ने गश्त के दौरान कार्रवाई करते हुए 5.74 ग्राम हेरोइन सहित पंजाब के एक युवक को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान धर्मप्रीत सिंह उर्फ प्रीत पुत्र केवल सिंह निवासी गांव खड़ेआल, जिला संगरूर के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से अदालत के आदेशानुसार उसे न्यायिक हिरासत में हिसार जेल में भेज दिया गया है। थाना जाखल के प्रभारी निरीक्षक बलराज सिंह ने बताया कि पुलिस टीम जाखल-काशिमपुर रोड पर स्थित घग्घर पुल के नजदीक गश्त व संदिग्धों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान जाखल गांव की तरफ से एक युवक पैदल आ रहा था। जैसे ही उसने पुलिस की गाड़ी को सामने देखा, वह घबराकर अचानक वापस मुड़कर तेज कदमों से भागने का प्रयास करने लगा। पुलिसकर्मियों ने उसे काबू कर तलाशी ली तो उसकी जींस की पैंट की जेब से एक पारदर्शी प्लास्टिक पाउच बरामद हुआ, जिसमें 5.74 ग्राम हेरोइन पाई गई। पुलिस ने मौके पर ही नशीले पदार्थ को कब्जे में ले लिया। इसके अलावा हांसपुर पुलिस चौकी की टीम मंगल सिंह उर्फ मंगी पुत्र पहलवान निवासी गांव हिजरावां कलां, जिला फतेहाबाद को काबू कर उसके पास से 6.52 ग्राम हेरोइन बरामद की है।

गुरुद्वारा शहीदां में कल लगेगा रक्तदान शिविर

डिंग मंडी। शहीद आजाद भगत सिंह स्पोर्ट्स क्लब की ओर से 9 नवंबर को डिंग रोड स्थित गुरुद्वारा शहीदां में रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर सुबह 9:30 बजे से दोपहर 2 बजे तक चलेगा। क्लब सदस्यों ने बताया कि शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त उपलब्ध करवाने में सहयोग देना और युवाओं को रक्तदान के प्रति जागरूक करना है। शिविर में डिंग रोड सहित आसपास के गांवों से रक्तदाता पहुंचेंगे। क्लब ने क्षेत्रवासियों और युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में शिविर में पहुंचकर रक्तदान करने की अपील की है।

चोरी के आरोपी से गैस सिलेंडर और चार क्विंटल गेहूं बरामद

सिरसा। सिविल लाइन थाना की खैरपुर पुलिस चौकी ने बैंक कॉलोनी में हुई चोरी की वारदात को सुलझाते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया गैस सिलेंडर और चार क्विंटल गेहूं बरामद किया गया है। अदालत ने आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। थाना प्रभारी के अनुसार बैंक कॉलोनी निवासी मनजीत कुमार ने शिकायत दी थी कि करीब 20 दिन पहले उसके घर से चार क्विंटल गेहूं और एक गैस सिलेंडर चोरी हो गया था। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान खैरपुर चौकी पुलिस ने सुराग जुटाकर गांव चक्का भुना क्षेत्र में दबिश दी और भरत उर्फ बागड़ी पुत्र बंतलाल निवासी गांव चक्का भुना को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी की निशानदेही पर चोरी का पूरा सामान बरामद कर लिया गया। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।



सिरसा। पुलिस गिरफ्त में आरोपी।

घर से चल रहा था गांजा तस्करी का धंधा महिला गिरफ्तार

हिसार। एंटी नारकोटिक सेल की टीम ने आजाद नगर क्षेत्र की 33 फुटा रोड स्थित विजय विहार कॉलोनी में छापेमारी कर एक महिला को गांजा तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 1 किलो 230 ग्राम गांजा और 2 लाख 49 हजार 300 रुपये की नकदी बरामद की है। पुलिस के अनुसार यह रकम ड्रग्स मनी है और महिला एक अन्य महिला के साथ मिलकर घर से गांजा बेचने का कारोबार कर रही थी। गिरफ्तार महिला की पहचान शहर की विजय विहार कॉलोनी में रहने वाली बिहार निवासी रिंकू के रूप में हुई है। एंटी नारकोटिक सेल के सहायक उप निरीक्षक जगदीश कुमार ने बताया कि वह पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में गश्त और अपराध एवं नशा तस्करी की रोकथाम के संबंध में पड़ताल कर रहे थे।

देश को नफरत और धार्मिक उन्माद से मुक्ति मिले : कुमारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि दीपावली केवल दीप जलाने का पर्व नहीं, बल्कि समाज से अंधकार, नफरत, भय और भेदभाव मिटाकर प्रेम, सद्भाव और भाईचारे का प्रकाश फैलाने का संकल्प है। देश को धार्मिक उन्माद, नफरत और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर दबाव से मुक्ति मिलनी चाहिए। कुमारी सैलजा नई दिल्ली में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आवास पर आयोजित दीपावली मिलन समारोह में शामिल हुईं। इस अवसर पर उन्होंने देश और प्रदेशवासियों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज देश को ऐसे वातावरण की जरूरत है, जहां संविधान सर्वोपरि हो और लोकतांत्रिक संस्थाएं स्वतंत्र एवं निष्पक्ष होकर काम करें। प्रत्येक नागरिक को बिना किसी भय के अपनी बात रखने का अधिकार मिले। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता, सामाजिक न्याय और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। लोकतांत्रिक संस्थाओं पर कथित दबाव, असहमति की आवाज दबाने और धार्मिक ध्रुवीकरण की राजनीति से देश को मुक्ति मिलनी चाहिए। सैलजा ने कामना की कि दीपावली देश में सामाजिक सौहार्द, आर्थिक खुशहाली, स्वस्थ लोकतंत्र और समान विकास का नया प्रकाश लेकर आए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस संविधान की रक्षा और प्रत्येक नागरिक के सम्मान के लिए अपना संघर्ष जारी रखेगी।



कुमारी सैलजा

एपेक्स कॉन्वेंट स्कूल के विद्यार्थियों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

उपायुक्त कार्यालय पहुंचकर विद्यार्थियों ने जाना प्रशासनिक कामकाज

अधिकारियों को दीपावली की शुभकामनाएं देकर भेंट किए उपहार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

एपेक्स कॉन्वेंट स्कूल के विद्यार्थियों ने उपायुक्त कार्यालय, फतेहाबाद का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने उपायुक्त डॉ. विवेक भारती, आईएएस से मुलाकात की और प्रशासनिक कार्यप्रणाली को नजदीक से जानने का अवसर प्राप्त किया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने उपायुक्त डॉ. विवेक भारती तथा कार्यालय के अन्य अधिकारियों को दीपावली की शुभकामनाएं दीं और उन्हें उपहार भेंट किए। विद्यार्थियों की इस आत्मीय पहल से कार्यालय का वातावरण उत्साहपूर्ण हो गया। उपायुक्त डॉ. भारती ने भी बच्चों के साथ अत्यंत स्नेहपूर्ण एवं आत्मीय व्यवहार किया। उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाया और उनके साथ सहजता से संवाद किया।



फतेहाबाद। डीसी डॉ. विवेक भारती से मिलते अपेक्स के विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

विद्यार्थियों के साथ ज्ञानवर्धक संवाद सत्र किया

इस अवसर पर उपायुक्त ने विद्यार्थियों के साथ एक प्रेरणादायक एवं ज्ञानवर्धक संवाद सत्र आयोजित किया। उन्होंने अपने अनुभवों और विचारों को साझा करते हुए विद्यार्थियों को जीवन में बड़े लक्ष्य निर्धारित करने, मेहनत करने तथा समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझने के लिए प्रेरित किया। उनके मार्गदर्शन से विद्यार्थी काफी प्रभावित हुए और उन्हें भविष्य में बेहतर नागरिक बनने की प्रेरणा मिली। विद्यालय प्रबंधन, स्टाफ एवं विद्यार्थियों ने इस विशेष अवसर और सहयोग के लिए उपायुक्त डॉ. विवेक भारती का आभार व्यक्त किया। विद्यालय के निदेशक अमित मक्कड़ एवं प्रधानाचार्य डॉ. मोहित अनेजा ने कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के ज्ञान, आत्मविश्वास और व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे अनुभव विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान से आगे बढ़कर वास्तविक जीवन की परिस्थितियों और प्रशासनिक व्यवस्था को समझने का अवसर प्रदान करते हैं।

पराली जलाने के 6 मामले और वाहनों का धुआं बढ़ा रहा प्रदूषण

फतेहाबाद में एक्यूआई 196 पर पहुंचा नगर परिषद ने कराया पानी का छिड़काव

- अधिकतम तापमान 31 व न्यूनतम 17 डिग्री दर्ज मौसम में बदलाव से मिल सकती है स्मॉग से राहत

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद



फतेहाबाद। नगरपरिषद द्वारा शहर में करवाया जा हा पानी का छिडक़ाव।

जिले में वायु प्रदूषण का स्तर लगातार चिंता बढ़ा रहा है। शनिवार को फतेहाबाद का एयर क्वालिटी इंडेक्स 196 दर्ज किया गया। यह स्तर मध्यम श्रेणी की ऊपरी सीमा के करीब है। हवा में प्रदूषण बढऩे के पीछे पराली जलाने की घटनाओं के साथ वाहनों से निकलने वाला धुआं भी प्रमुख कारण बन रहा है। जिले में अब तक पराली जलाने के 6 मामले सामने आ चुके हैं। प्रदूषण पर काबू पाने के लिए नगर परिषद की ओर से शहर की सडक़ों पर पानी का छिडक़ाव कराया गया, ताकि धूल के कणों को हवा में फैलने से रोका जा सके। प्रदूषण के कारण सुबह और शाम के समय वातावरण में धुंध और धुएं का असर दिखाई दे रहा है। इससे लोगों को आंखों में जलन, खुजली और सांस लेने में परेशानी जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। खासकर बच्चों, बुजुर्गों और सांस संबंधी बीमारियों से पीड़ित लोगों को सावधानी बरतने की जरूरत है। वहीं शहर में वाहनों की बढ़ती आवाजाही और सडक़ों पर उड़ती धूल भी वायु गुणवत्ता को प्रभावित कर रही है।

14 नवंबर को बारिश की संभावना

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार 11 नवंबर को एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की संभावना है। इसके प्रभाव से हरियाणा के उत्तरी जिलों में कहीं-कहीं हल्की बूंदाबांदी हो सकती है। इसके बाद 14 नवंबर को एक अन्य पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने के आसार हैं। इसके प्रभाव से प्रदेश में मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। हल्की से मध्यम बारिश और पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी की संभावना है। बारिश होने से वातावरण में मौजूद धूल और प्रदूषण के कण नीचे बैठ सकते हैं, जिससे लोगों को स्मॉग से कुछ राहत मिलने की उम्मीद है।

तापमान में उतार-चढ़ाव जारी

मौसम में अभी दिन और रात के तापमान में अंतर बना हुआ है। शनिवार को फतेहाबाद में अधिकतम तापमान 31 डिग्री और न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दिन के समय धूप के कारण गर्मी का अहसास हो रहा है, जबकि सुबह और शाम को हल्की ठंडक महसूस की जा रही है। मौसम में ठहराव और हवा की कम गति के कारण प्रदूषक कण वातावरण में बने रह सकते हैं।

दिवाली पर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट अस्पताल में तीन डॉक्टर रहेंगे तैनात

- पटाखों से झुलसने वाले मरीजों के उपचार के लिए दवाइयों, मलहम और पट्टियों का अतिरिक्त स्टॉक तैयार, विशेषज्ञ डॉक्टर भी ऑन कॉल रहेंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद



दीपावली पर पटाखों से झुलसने और अन्य स्वास्थ्य संबंधी आपात स्थितियों से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। नागरिक अस्पताल के आपातकालीन विभाग में तीन अतिरिक्त डॉक्टरों की ड्यूटी लगाई गई है, जबकि पटाखों से झुलसने वाले मरीजों के उपचार के लिए तीन बेड आरक्षित किए गए हैं। अस्पताल में जरूरी दवाइयों, मलहम, पट्टियों और आई ड्रॉप्स का पर्याप्त स्टॉक भी उपलब्ध करवाया गया है। जिला महामारी अधिकारी डॉ. विष्णु मित्तल ने बताया कि दीपावली के दौरान आतिशबाजी करते समय लापरवाही के कारण हाथ-पैर झुलसने, आंखों में चोट लगने और अन्य दुर्घटनाओं की आशंका रहती है। इसे देखते हुए आपातकालीन विभाग को अलर्ट किया गया है। नेत्र रोग, हड्डी रोग और सर्जरी विभाग में भी जरूरत के अनुसार मरीजों के उपचार के लिए बेड सुरक्षित रखे गए हैं। संबंधित विशेषज्ञ डॉक्टरों को ऑन कॉल ड्यूटी पर रहने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि किसी भी गंभीर मरीज को तुरंत उपचार मिल सके। गंभीर स्थिति में मरीजों को अस्पताल पहुंचाने और रेफर करने के लिए एंबुलेंस सेवाओं को भी तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं।

खुले स्थान पर ही चलाएं पटाखे

डॉ. मित्तल ने लोगों से अपील की कि दीपावली पर केवल ग्रीन पटाखों का ही प्रयोग करें और प्रतिबंधित पटाखों से दूर रहें। आतिशबाजी हमेशा खुले स्थान पर करें और पटाखे जलाते समय पर्याप्त दूरी बनाए रखें। उन्होंने कहा कि पटाखे चलाते समय सिंथेटिक या नायलॉन-पॉलिएस्टर के कपड़ों के बजाय सूती कपड़े पहनें, क्योंकि सिंथेटिक कपड़ों में आग तेजी से पकड़ सकती है। पटाखे जलाने वाली जगह पर पानी से भरी बाल्टी और रेत जरूर रखें, ताकि आग लगने की स्थिति में तुरंत बचाव किया जा सके। बच्चों को बड़ों की निगरानी के बिना पटाखे न चलाने दें।

फतेहाबाद में जुआ-सट्टे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, 12 आरोपी गिरफ्तार

- त्योहारी सीजन में फतेहाबाद पुलिस का कड़ा पहरा, गश्त पर जवान

फतेहाबाद। दीपावली व त्योहारी सीजन के मद्देनजर जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा अवैध गतिविधियों पर पूर्णतया अंकुश लगाने के लिए फतेहाबाद पुलिस ने शिकंजा कस दिया है। जिले की विभिन्न पुलिस टीमों ने विशेष अभियान चलाकर 4 अलग-अलग मामलों में 12 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 41,760 रुपये की नकदी और सट्टा सामग्री बरामद की है। यह कार्रवाई थाना सदर फतेहाबाद, शहर टोहाना, जाखल और भूना पुलिस द्वारा की गई है। थाना सदर फतेहाबाद के प्रभारी उपनिरीक्षक सुमित ने बताया कि उपनिरीक्षक रामकिशन के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर गांव अयाल्की स्थित एक खाली प्लॉट में औचक छापेमारी की। इस दौरान पुलिस ने ताश के पत्तों पर पैसों का दांव लगाकर जुआ खेल रहे 9 व्यक्तियों को रंगे हाथों काबू कर लिया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान राजेश ढाणी चाणचक, बलविंद्र सिंह रजाबाद, मुकेश कुमार अयाल्की, गुरदीप सिंह रजाबाद, भगवान दास रतिया, निशान सिंह अयाल्की, राजेंद्र सिंह रजाबाद, लीलूराम तथा जसबीर सिंह अयाल्की के रूप में हुई है। पुलिस ने मौके से 25,790 रुपये नकदी बरामद की है। उधर, थाना शहर टोहाना प्रभारी निरीक्षक संदीप ने बताया कि पुलिस टीम ने अनाज मंडी रोड स्थित पीडब्ल्यूडी कार्यालय के सामने रेड की। पुलिस ने सट्टा खाईवाली कर रहे पवन कुमार निवासी गुप्ता कॉलोनी, हाल भाटिया नगर, टोहाना को दबोच लिया। उसके कब्जे से 4,650 रुपये नकद बरामद हुए।

दीपावली पर लक्ष्मी-कुबेर पूजन के साथ पितरों के निमित्त दान का भी महत्व

- पांच दिनों तक दीपदान की परंपरा निभाने के साथ पूजा से पहले पितरों का स्मरण करना शुभ

फतेहाबाद। दीपावली का पर्व मां लक्ष्मी की आराधना और भगवान कुबेर के पूजन के साथ पितरों के प्रति श्रद्धा प्रकट करने का भी अवसर है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार दीपावली पर लक्ष्मी-कुबेर पूजन के साथ पितरों का स्मरण करना और उनके निमित्त दान-पुण्य करना विशेष महत्व रखता है। श्याम मंदिर फतेहाबाद के मुख्य पुजारी पंडित सोनू शर्मा ने बताया कि भगवान कुबेर को धन-संपदा का अधिपति माना जाता है, इसलिए मां लक्ष्मी के साथ उनकी पूजा करने की परंपरा है। इससे सुख-समृद्धि की कामना की जाती है। पंडित सोनू शर्मा के अनुसार दीपावली से जुड़े पांच दिनों में दीपक जलाने और दीपदान करने की परंपरा भी महत्वपूर्ण है। पूजा-अर्चना से पहले पितरों का स्मरण कर उनके निमित्त दान-दक्षिणा और पुण्य कर्म करने चाहिए। इससे पूर्वजों के प्रति श्रद्धा और सम्मान प्रकट होता है। उन्होंने कहा कि दीपावली पर धार्मिक आस्था के साथ पर्यावरण संरक्षण का ध्यान रखना भी जरूरी है।

एसआईआर : वोटर लिस्ट में जुड़वा सकेंगे नाम

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद/सिरसा

स्थान परिवर्तन वालों के लिए ये विकल्प

जिन मतदाताओं का निवास स्थान बदला नहीं है, वे स्व-हस्ताक्षरित गणना फॉर्म के साथ एनेक्शर-बी, जिसमें पूर्व में फॉर्म न जमा कर पाने का कारण दर्ज हो, को ईआरओ/ एईआरओ/बीएलओ के पास स्वयं या परिवार के सदस्य के माध्यम से जमा करा सकते हैं। ईसीआईनेट पर ई-साइन के माध्यम से ऑनलाइन जमा करने की सुविधा भी उपलब्ध है। ऐसे एएसडीडी मतदाता जिन्होंने राज्य के भीतर ही अपना निवास स्थान बदल लिया है, उन्हें फॉर्म-8 भरने की आवश्यकता नहीं है। वे एनेक्शर-सी नए पते व विधानसभा क्षेत्र के विवरण के साथ तथा निवास प्रमाण पत्र के साथ नए क्षेत्र के ईआरओ/ एईआरओ को फॉर्म जमा करेंगे। मतदाता ईसीआई वेबसाइट/ईसीआईनेट ऐप पर बुक ए कॉल विद बीएलओ की सुविधा का उपयोग करके बीएलओ से संपर्क कर सकता है।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जारी विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान जिन मतदाताओं के नाम एएसडीडी यानि अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत तथा दोहरे के रूप में चिन्हित किए गए थे और जिनके गणना फॉर्म वापस प्राप्त न होने के कारण प्रारूप मतदाता सूची में शामिल नहीं हो सके थे, उन्हें अंतिम मतदाता सूची में नाम शामिल करवाने के लिए आयोग द्वारा एक और अवसर प्रदान किया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने इस संबंध में विस्तृत जानकारी साझा करते हुए जिले के सभी वंचित मतदाताओं से इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की है। एएसडीडी चिह्नित मतदाताओं की मतदान केंद्रवार सूची, संभावित कारणों सहित, संबंधित मतदान केंद्रों के नोटिस बोर्ड व अन्य जगह पीडीएफ फॉर्मेट में उपलब्ध कराई जा रही है।

गणना फॉर्म जमा करने का अवसर

ऐसे सभी मतदाता अपने वर्तमान सामान्य निवास स्थान के संबंधित ईआरओ/ एईआरओ को विधिवत भरा हुआ गणना फॉर्म यानि एनेक्शर-ए जमा करा सकते हैं। ईसीआईनेट के ईआरओ डैशबोर्ड के माध्यम से आंशिक गणना फॉर्म जनरेट किए जाएंगे। बीएलओ द्वारा भौतिक रूप से अथवा उपलब्ध संपर्क विवरण के आधार पर व्हाट्सएप, ईमेल या एसएमएस द्वारा फॉर्म उपलब्ध कराए जाएंगे। मतदाता अपने पुराने ईपीआईसी नंबर का उपयोग करके ईसीआईनेट ऐप या वेबसाइट से भी फॉर्म डाउनलोड या भर सकते हैं।

ऐलनाबाद की 39 गोशालाओं को मिला 3.50 करोड़ का अनुदान



सिरसा। गोशालाओं को अनुदान राशि वितरित करते चेयरमैन रामचन्द्र कंबोज

हरिभूमि न्यूज ⏭ऐलनाबाद

हरियाणा सरकार की ओर से गौशालाओं को आर्थिक रूप से सहयोग देने की दिशा में ऐलनाबाद क्षेत्र की 39 गौशालाओं को करीब 3.50 करोड़ रुपये की अनुदान राशि के चेक वितरित किए गए। श्री गौशाला ऐलनाबाद में आयोजित कार्यक्रम में हरियाणा गौ सेवा आयोग के चेयरमैन रामचंद्र कंबोज मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर कंबोज ने कहा कि गौशालाएं बेसहारा और निराश्रित गोवंश के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। गोवंश के लिए हरे एवं सूखे चारे, पानी तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था करना जरूरी है। सरकार की ओर से दी जा रही अनुदान राशि से गौशालाओं को आर्थिक मदद मिलेगी और गोवंश की बेहतर देखभाल संभव होगी। उन्होंने कहा कि गोवंश संरक्षण केवल सरकार की नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। केवल गौ माता की जय के नारे लगाने से गोवंश की रक्षा नहीं होगी, बल्कि इसके लिए सभी को मिलकर सेवा और संरक्षण का संकल्प लेना होगा। उन्होंने गौशाला संचालकों को इससे सहायता मिलेगी।

श्रीमत सिटी सेंटर के दिवाली मेले में उमड़ रही भीड़, म्यूजिकल नाइट ने बांधा समां

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा



सिरसा। पुरस्कार वितरित करते आयोजक।

डबवाली रोड स्थित श्रीमत सिटी सेंटर में आयोजित दिवाली मेले में शहरवासियों की भारी भीड़ उमड़ रही है। 28 अक्टूबर से जारी मेले में खरीदारी, मनोरंजन, खानपान और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। करीब 125 दुकानों वाली बहुमंजिला कमर्शियल-कम-रेजिडेंशियल मार्केट को आकर्षक विद्युत लड़ियों से सजाया गया है। मेले में बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार की गेम्स और मनोरंजक गतिविधियां आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। डक और गोरिल्ला के किरदार बच्चों के साथ मस्ती करते नजर आते हैं। महिलाओं की खरीदारी के लिए पांच दर्जन से अधिक स्टॉल लगाई गई हैं, जबकि फूड स्टॉल पर भी लोगों की भीड़ लगी रहती है। मेले का समय शाम 5 से 10 बजे तक निर्धारित है, लेकिन लोग परिवार के साथ देर रात तक मेले का आनंद ले रहे हैं। शुक्रवार को पंजाबी लोक गायिका सुखजीत कौर ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने लोगों की फरमाइश पर कई लोकप्रिय गीत प्रस्तुत किए। इस दौरान आयोजित लकी ड्रॉ में राव्या प्रथम, सरोज द्वितीय और वरुण तृतीय विजेता रहे।

वेदों के पुनरुद्धार और सामाजिक सुधारों में आर्य समाज का अहम योगदान : गहलोत

सिरसा। स्वामी दयानंद सरस्वती ने वेदों के पुनरुद्धार, पाखंड के विरोध और समाज सुधार के उद्देश्य से आर्य समाज की स्थापना की थी। उनका ध्येय संसार का उपकार करना और समाज में वैदिक विचारधारा का प्रचार करना था। यह बात आर्य समाज बेगू रोड के कार्यकारी प्रधान भूप सिंह गहलोत ने दीपावली और स्वामी दयानंद सरस्वती के निर्वाण दिवस पर आयोजित हवन यज्ञ में कही। उन्होंने कहा कि स्वामी दयानंद ने वेदों की ओर लौटने का संदेश देते हुए समाज को अंधविश्वास और पाखंड से दूर रहने की प्रेरणा दी। वेदों को सत्य विद्याओं का भंडार बताते हुए उन्होंने परमेश्वर को सृष्टि का रचयिता बताया। गहलोत ने कहा कि स्वामी दयानंद के विचारों ने देश में राष्ट्रीय चेतना और स्वतंत्रता की भावना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने स्वराज का उद्घोष कर लोगों में स्वतंत्रता के प्रति जागरूकता पैदा की। कार्यक्रम में यजमान कुलदीप, यज्ञब्रह्मा कुणाल शर्मा और अध्यक्ष डॉ. राजकुमार निजात रहे। कृष्ण कुमार मलिक ने स्वामी दयानंद पर आधारित भजन प्रस्तुत किया। समाजसेवी लेखराज लूथरा ने लोगों से धुआं रहित दीपावली मनाने की अपील की। प्रो. सुभाष वर्मा ने दीपावली के महत्व पर प्रकाश डाला।

चौथी राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 12 दिसंबर को

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

इस वर्ष की चौथी राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 12 दिसंबर को स्थानीय न्यायिक परिसर व उपमंडल स्तर पर रतिया व टोहाना न्यायिक परिसरों में किया जाएगा। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी डॉ. सुयशा जावा ने बताया कि हालसा के सदस्य सचिव के दिशा निर्देशानुसार जिला फतेहाबाद में दिसंबर माह में चौथी राष्ट्रीय लोक अदालत 12 दिसंबर को लगाई जाएगी। इस लोक अदालत में विभिन्न प्रकार के मामलों की सुनवाई की जाएगी जिसमें आपराधिक जटिल मामलों, एनआई एक्ट 138, एमएसीटी जिसमें एएआर, ट्रांसपोर्ट केस, वैवाहिक, श्रम, भूमि अधिग्रहण, किराया, बैंक रिकवरी, राजस्व, मनरेगा, बिजली व पानी बिल, वन अधिनियम, आपदा मुआवजा इत्यादि अन्य मामलों की सुनवाई की जाएगी। सीजेएम ने बताया कि लोक अदालत का उद्देश्य अधिक से अधिक लंबित मामलों का आपसी सहमति से त्वरित, सुलभ और स्थायी समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने आमजन से अपील की है कि वे लोक अदालत का अधिक से अधिक लाभ उठाकर अपने लंबित मामलों का समाधान करवाएं।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 8295154800, 9315429403, 9253681005

मनोहर मेमोरियल एजुकेशन सोसायटी
MANOHAR MEMORIAL COLLEGE FATEHABAD
तमसो मा ज्योतिर्गमय
फतेहाबाद (हरियाणा)
की ओर से
Estd. 1970
Happy Diwali
दीपावली एवं नववर्ष 2027
की हार्दिक शुभकामनाएं
ACCREDITED WITH GRADE B++ NAAC

ADARSH SR. SEC. SCHOOL DARIYAPUR
Affiliated to CBSE, upto +2 (AllStreams)
Mob. : 92154-40131, 97281-36376
शुभ दीपावली
दीपावली के पावन अवसर पर
आदर्श स्कूल परिवार की ओर से
सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं क्षेत्रवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
Management & Leadership Desk :
Managing Director
Director
Chairperson
Principal
SHANKARI DEVI MEMORIAL ITI, DARIYAPUR
AFFILIATED TO NVCT, NEW DELHI
MOB. 92541-51111
TRADES : ELECTRICIAN, WIREMAN, PLUMBER